D.El.Ed 4th Sem 04 may 2020
Educational Management monday
and administration edu-08

वित्तीय प्रावधान एवं कार्य प्रक्रिया

यह ग्रांट प्रतिवर्ष एक बार सभी उच्च माध्यमिक / माध्यमिक / प्राथमिक / उच्च प्राथमिक विद्यालयों को दिया जाता है जहाँ कक्षा 1-12 में से कोई भी कक्षाएँ संचालित होती हैं। जारी किया जाता है। इसे 'शिक्षक अनुदान' भी कहते हैं। यह प्रति शिक्षक 5000₹ प्रतिवर्ष जाता है।

राशि का हस्तान्तरण राज्य/जिला परियोजना कार्यालय द्वारा सीधे ही विद्यालय समिति के बैंक खाते में किया जाता है। यह सामग्री दो प्रकार की होती है —

① अस्थायी सामग्री (25% अर्थात 1250₹) — इसका उपयोग शिक्षण प्रक्रिया में बच्चों की सहभागिता से शिक्षण अधिगम सामग्री (टी.एल.एम.) निर्माण करते हैं। जैसे - पेन, चार्ट पेपर आदि।

② स्थायी सामग्री (75 प्रतिशत अर्थात ₹ 3750) — इसके अन्तर्गत तैयार टीचिंग ऐड / मॉडल / सन्दर्भ पुस्तकें क्रय की जाती है, जिनकी सहायता से शिक्षक सरल, रोचक, शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाता है।

⇒ वर्किंग मॉडल्स।
⇒ नॉन वर्किंग मॉडल्स।
⇒ सन्दर्भ पुस्तकें, शब्दकोष।

ध्यान देने योग्य बिन्दु

1⇒ प्रत्येक शिक्षक को अपने द्वारा बनाई गई T.L.M. पर अपना नाम व निर्माण वर्ष अंकित करना।

2⇒ प्रधानाध्यापक कक्ष को सजाने के लिए अधिगम सामग्री का उपयोग। विषय वस्तु रोचक, आसान, आनन्दमयी बनाना।

Scanned with CamScanner

B.Ed 2nd year

⇒ T.L.M सामग्री का अधिकाधिक प्रयोग।

⇒ हस्तनिर्मित सामग्री से वर्तनी की शुद्धता सुन्दर, स्वच्छ एवं सुपाठ्य लेखन एवं आकर्षक T.L.M का निर्माण।

⇒ सामग्री को बरसात व नमी युक्त जगह से बचाकर रखना।

⇒ प्रमाण पत्र भी एक माह के अन्दर वित्तीय वर्ष सम्पत्ति से पूर्व तक प्रस्तुत करना।

प्रधानाध्यापक का दायित्व

⇒ प्रधानाध्यापक द्वारा दैनिक कक्षा अवलोकन में शिक्षक द्वारा शिक्षण में उपयोग की गयी T.L.M का अंकन करना चाहिए।

⇒ शिक्षक द्वारा T.L.M. का उपयोग विषय वस्तु के अनुसार अध्यापक दैनिक दैनन्दिनी की पाठ योजना में दर्शाया गया है या नहीं।

⇒ विद्यालय अवलोकन में T.L.M. के उपयोग को सुनिश्चित करना चाहिए।

⇒ शिक्षकों के कार्य की समीक्षा करना।

⇒ डी.सी.पी; एस.एस.ए. को अनुपालन रिपोर्ट उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए।

B.R.C. Deoband
AMINPro - Sapna Tyagi

Scanned with CamScanner